

व्यवसाय प्रशासन में स्नातक (बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य
2025

जाँच सत्रीय कार्य की अवधि - 1st जनवरी 2025 से 30th दिसम्बर, 2025

चतुर्थ सत्र



प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली -1100 68



व्यवसाय प्रशासन में स्नातक
(बी. बी. ए.)

सत्रीय कार्य 2025

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि प्रोग्राम गाइड में बताया गया है, आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक ट्यूटर मार्कड असाइनमेंट करना होगा। हम आपको BCOE-143, BCOE-144, ECO-13 और BMP-001 के सत्रीय कार्य एक साथ भेज रहे हैं।

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

1. वे छात्र जो जून 2025 के सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं, उन्हें 15 मार्च 2025 तक जमा करवाना होगा।
2. वे छात्र जो दिसम्बर 2025 की सत्रांत परीक्षा में उपस्थित हो रहे हैं। वे 15 अक्टूबर 2025 तक जमा करवायें।

आपको सभी पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के समन्वयक को प्रस्तुत करना होगा।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	बी. सी. ओ. ई. -143
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	वित्तीय प्रबंध के मूल तत्व
सत्रीय कार्य का कोड	:	बी.सी.ओ. ई.-143/टी. एम. ए./2025
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

1. पूंजी परिसम्पत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल और अंतरपणन मूल्य निर्धारण सिद्धान्त क्या हैं ? उनके बीच अंतर बताएं। (10)
2. उपयुक्त उदाहरणों के साथ पूंजी बजट निर्णय लेने के लिए निवल वर्तमान मूल्य विधि(NPV) पर चर्चा करें। (10)
3. परिचालन चक्र में शामिल विभिन्न चरणों की व्याख्या करें। सकल परिचालन पूंजी और निवल कार्यशील पूंजी के बीच भेद किजिए। (10)
4. पूंजी बजटिंग निर्णयों में शामिल विभिन्न प्रकार के जोखिमों को उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा करें। (10)
5. इक्विटी की लागत की गणना के लिए विभिन्न विधियों की व्याख्या करें। (10)

खण्ड – ख (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक के हैं)

6. उदाहरण देते हुए मुद्रा के भावी मूल्य और वर्तमान मूल्य का वर्णन कीजिए। (6)
7. भुगतान अवधि क्या है? भुगतान अवधि विधि का उपयोग करके स्वीकृति मानदंड बताएं। (6)
8. शेयरों के मूल्यांकन के लिए दोहरी पद्धति की व्याख्या करें। (6)
9. उन परिस्थितियों की चर्चा कीजिए जिनके अंतर्गत लाभांश घोषित नहीं किया जा सकता। (6)
10. फैक्टरिंग और फोरफेटिंग की अवधारणाओं की व्याख्या करें। (6)

खण्ड – ग (सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं)

11. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखें: (10)
(क) वित्तीय लीवरेज
(ख) गॉर्डन के लाभांश प्रभाव के मॉडल
12. निम्नलिखित के बीच अंतर करें: (10)
(क) इक्विटी शेयर और वरीयता शेयर
(ख) निवल आय दृष्टिकोण और निवल परिचालन दृष्टिकोण

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	बी. सी. ओ. ई. -144
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	कार्यालय प्रबंधन और सचिव अभ्यास
सत्रीय कार्य का कोड	:	बी.सी.ओ. ई.-144/टी. एम. ए./2025
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – क

- कार्यालय का क्या अर्थ है? कार्यालय कितने प्रकार के होते हैं? विस्तार से चर्चा करें। (10)
- “भूमिकाएं नौकरी की स्थिति का अपेक्षित व्यवहार हैं” इस कथन के आलोक में, एक कार्यालय प्रबंधक से कार्यालय में निभाने की अपेक्षा की जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं की चर्चा करें। (10)
- फाइलिंग प्रक्रिया के चरण क्या हैं? चित्र सहित समझाएं। (10)
- कोरम शब्द को परिभाषित करें और बताएं कि कोरम का गठन क्या होता है। यदि पूरी बैठक में कोरम अनुपस्थित हो या पूरा न हो तो अध्यक्ष को क्या कदम उठाना चाहिए? (10)
- ऑडिट क्या है? यह महत्वपूर्ण क्यों है? (10)

खण्ड – ख

- आभासी कार्यालय की अवधारणा को समझाएं। (6)
- लाइन संगठन क्या है? इसके फायदे और नुकसान पर चर्चा करें। (6)
- अनुक्रमण के आवश्यक गुण क्या हैं? (6)
- पुराने कार्यालय उपकरणों को उन्नत करने के विभिन्न लाभक्या हैं? (6)
- बजट को फर्म का वित्तीय बैरोमीटर क्यों कहा जाता है (6)

खण्ड – ग

- कार्यालय शिष्टाचार से क्या तात्पर्य है? (5)
- डिजिटल प्रकाशन प्लेटफार्म के विभिन्न फायदे और नुकसान क्या हैं (5)
- ईमेल भेजते समय किसी फाइल को जोड़ने के लिए आवश्यक विभिन्न कदमों की सूची बनाएं। (5)
- ऑनलाइन भुगतान करने के चरण क्या हैं? (5)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	ई. सी. ओ. -13
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	व्यावसायिक पर्यावरण
सत्रीय कार्य का कोड	:	ई. सी. ओ. -13/टी. एम. ए./ 2024-2025
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक :100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. व्यावसायिक पर्यावरण के तीन घटक कौन से होते हैं ? उनका विवेचन कीजिए। (20)
2. सरकार की नियामक भूमिका के स्वरूप और उसके निहितार्थों की व्याख्या कीजिए। (20)
3. प्रबंध में श्रमिकों की सहभागिता के संबंध में विवेचन कीजिए। (20)
4. भारत सरकार हास हाल में घोषित निर्यात संवर्धन उपायों का वर्णन कीजिए। (20)
5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : (4X5)
(क) पारिस्थितिकी संबंधी मुद्दे
(ख) आर्थिक संवृद्धि
(ग) रुग्णता का संकेत
(घ) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	बी. एम. पी. – 001
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	व्यावसायिक अनुसंधान
सत्रीय कार्य का कोड	:	बी. एम. पी – 001/टी. एम. ए./2025
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

क) लघु प्रकार के प्रश्न

1. अनुसंधान समस्या को परिभाषित करें। अनुसंधान समस्या के महत्व को स्पष्ट करें। (10)
2. साहित्य समीक्षा (आरओएल) में उपयोग किए जाने वाले प्रमुख साहित्यिक स्रोत कौन – कौन से हैं ? संक्षेप में समझाएं कि पुस्तकें, अनुसंधान पत्रिकाएँ, अनुसंधान प्रबंध और ग्रे साहित्य एक व्यापक समीक्षा में कैसे योगदान करते हैं? (10)
3. अनुसंधान नैतिकता को परिभाषित करें। अनुसंधान में गुमनामी (anonymity) और गोपनीयता (confidentiality) बनाए रखने से संबंधित प्रमुख नैतिक चुनौतियाँ क्या हैं? (10)
4. निम्नलिखित के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए: (4X5)
क) आगमनात्मक (Inductive) अनुसंधान और निगमनात्मक (Deductive) अनुसंधान
ख) प्रश्नावली (Questionnaire) और अनुसूची (Schedule)
ग) शून्य परिकल्पना (Null Hypothesis) और वैकल्पिक परिकल्पना (Alternative Hypothesis)
घ) गुणात्मक आंकड़े और मात्रात्मक आंकड़े
5. निम्नलिखित पर संक्षेप में नोट लिखें: (4X5)
क) परिमितीय और गैर – परिमितीय परीक्षण
ख) पैमाने (Scale) की विश्वसनीयता (Reliability) और वैधता (Validity)
ग) प्रश्नावली डिजाइन करने की प्रक्रिया
घ) एक अच्छी अनुसंधान रिपोर्ट की विशेषताएँ

(ख) निबंध प्रकार के प्रश्न

6. अनुसंधान के प्राथमिक वर्गीकरण क्या हैं? उदाहरणों की मदद से समझाएँ। (15)
7. अनुसंधान में प्रतिचयन का क्या महत्व है ? उदाहरणों के साथ प्रायिकता प्रतिचयन और गैर प्रायिकता प्रतिचयन के बीच अंतर की व्याख्या करें। (15)